आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 294 | उज्जैन, शनिवार 13 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

वॉटर स्पोर्ट्स का एडवेंचर अब बनेगा गांधीसागर की नई पहचान-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गांधीसागर गिद्धों के लिए तो मशहूर है ही, अब यहां चीता भी दौड़ रहा है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन है और जल से ही जीवन का यौवन है। जल से जुड़ी पर्यटन गतिविधियों का विकास हमारा लक्ष्य है। वॉटर स्पोर्ट्स का इनार्मस एडवेंचर (असाधारण रोमांच) अब गांधीसागर बांध की एक नई पहचान बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गांधीसागर बांध क्षेत्र का पूरा कैचमेंट एरिया और बैकवॉटर का प्राकृतिक सौंदर्य स्विट्जरलैंड की वादियों से भी ज्यादा आनंदित करने वाला है। गांधीसागर पहले से ही गिद्धों के लिए मशहूर है, लेकिन अब यहां चीता भी दौड़ रहा है। जल और वन्यजीव पर्यटन के मामले में

गांधीसागर अब देश-दुनिया में मशहूर हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंदसौर जिले के गांधीसागर बांध क्षेत्र में फॉरेस्ट रिट्रीट के चौथे संस्करण के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम द्वारा बांध के बैकवॉटर एरिया में विकसित टेंट सिटी का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथ के प्रभाव क्षेत्र में चंबल मैया के किनारे गांधीसागर का संबंध गंगाजी से जुड़ रहा है। शिप्रा नदी चंबल में आकर मिलती है और यही धारा आगे जाकर यमुना नदी में मिलती है। चंबल नदी के बगैर यमुना की धारा अधूरी है। हजारों साल से मंदसौर, नीमच और बरसों से बीहड़ रहे क्षेत्र को चंबल मैया का आशीर्वाद मिल रहा है। चंबल नदी में घड़ियाल और डॉलफिन का भी बसेरा है। चंबल का पानी स्वच्छता में सर्वोत्तम है। गंगा मैया देवभूमि उत्तराखंड से निकलती है। कोलकाता में गंगा नदी में मालवांचल की मिठास भी घुली हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल ही जीवन की धुरी है। पृथ्वी पर जीव की उत्पत्ति जल से हुई है। जल से स्नान करने पर शरीर की थकावट दूर हो जाती है। सनातन धर्म की सभी परम्पराओं और संस्कारों में जल का बड़ा महत्व है। गांधीसागर बांध क्षेत्र में वॉटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी की शुरुआत हो गई है। अब यह सम्पूर्ण क्षेत्र वॉटर स्पोर्ट्स में रूचि रखने वाले देश-दुनिया के सभी पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्राचीनकाल में जलमार्गों से ही आवागमन होता था।

देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन, राष्ट्रपति मुर्मु ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति की शपथ ले ली है। सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राधाकृष्णन को राष्ट्रपति भवन में उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई।

दरअसल, सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की। बता दें कि यह चुनाव पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के बाद आयोजित किया गया था।

एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन को मंगलवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में चुना गया। चुनाव के बाद राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिससे 98.2 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ।

एनडीए की ओर से उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन को 452 मत प्राप्त हुए। वहीं, विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 मत मिले। 9 सितंबर को ही वोटिंग के बाद परिणामों में घोषणा की गई।

उपराष्ट्रपति परिणामों की घोषणा के बाद पीएम मोदी ने सीपी राधाकृष्णन को बधाई दी।

शिकायत करने वाले को DMK नेता ने कार से कुचला, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके के एक नेता को कथित तौर पर एक व्यक्ति को अपनी कार से कुचलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम विनयगम पलानीस्वामी बताया जा रहा है। वह तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में पंचायत अध्यक्ष है।

पुलिस के अनुसार, मृतक का भी नाम पलानीस्वामी ही है। जब वह अपने दोपहिया वाहन से जा रहा था, तभी आरोपी ने उसे अपनी एसयूवी से कुचल दिया। शुरुआत में इसे हिट एंड रन का मामला माना जा रहा था, क्योंकि डीएमके नेता उस समय नशे में था।

मुद्दे उठाए जाने से नाराज था- बाद में मामले में कलई खुलती गई, जब पीड़ित परिवार को इसमें गड़बड़ी की आशंका हुई। बताया गया कि मृतक के पंचायत प्रमुख के साथ कुछ मतभेद थे। इसके बाद मामले को हत्या की जांच में बदला गया और पुलिस ने आरोपी पर शिकंजा कसना शुरू किया।

एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, मृतक ने एक निजी सड़क पंचायत को न सौंपे जाने की शिकायत की थी। इससे ही आरोपी भड़का हुआ था।

समंदर में नारी शक्ति का दम, समुद्री मार्ग से विश्व भ्रमण पर निकलीं तीनों सेनाओं की दस महिला अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को तीनों सेनाओं के पहले महिला जलयात्रा अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तीनों सेनाओं की दस महिला अधिकारी अगले नौ महीने के दौरान दुनिया के कुछ खतरनाक जल क्षेत्रों समेत लगभग 26 हजार नॉटिकल मील की दूरी तय करेंगी।

दस महिला अधिकारी आइएएसवी त्रिवेणी से रवाना हुई हैं- वे आइएएसवी त्रिवेणी से रवाना हुई हैं। समुद्री मार्ग से विश्व भ्रमण के इस अभियान को समुद्र प्रदक्षिणा नाम दिया गया है। दुनिया में इस तरह की यह पहली त्रि-सेवा यात्रा बताई जा रही है।

यह अभियान मुंबई के गेटवे आफ इंडिया से शुरू हुआ और रक्षा मंत्री ने इसे दिल्ली से वर्चुअली झंडी दिखाकर रवाना किया। राजनाथ ने अपने संबोधन में इस यात्रा को नारी शक्ति का एक प्रतीक बताया, जो तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति और एकता, आत्मनिर्भर भारत और इसके सैन्य व कूटनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

जबकि रक्षा मंत्रालय ने बताया, अगले नौ महीनों में 10 महिला अधिकारी स्वदेशी नौकायन पोत आइएएसवी त्रिवेणी से लगभग 26 हजार नॉटिकल मील की यात्रा करेंगी। वे दो बार भूमध्य रेखा को पार करेंगी और तीन प्रमुख केप लीउविन, हॉर्न, और गुड होप को पार करेंगी।

इस अभियान में वे प्रमुख महासागरों से होकर गुजरेंगी और ड्रेक पैसेज जैसे दुनिया के सबसे खतरनाक समुद्री इलकों में भी यात्रा करेंगी। यह अभियान लगभग नौ महीने में पूरा होने की संभावना है।

10 लाख तक की खरीदारी का UPI से कर सकेंगे भुगतान, सरकार ने लेनदेन की सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 सितंबर से कोई भी व्यक्ति 10 लाख रुपये तक की खरीदारी का भुगतान यूपीआइ के जरिये कर सकेगा। इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) यूपीआई लेनदेन की सीमा को बढ़ा दिया है।

कई क्षेत्रों को लाभ होने की उम्मीद है- इन बदलावों से उन क्षेत्रों को लाभ होने की उम्मीद है, जहां ग्राहकों को अक्सर बड़े लेनदेन पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता था, जिससे उन्हें भुगतान को विभाजित करने या चेक और बैंक हस्तांतरण जैसे पारंपरिक विकल्पों का उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ता था।

हालांकि, व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) हस्तांतरण की सीमा 1 लाख रुपये प्रति दिन पर अपरिवर्तित बनी हुई है। पूंजी बाजार और बीमा में निवेश के लिए प्रति लेनदेन सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई है, जिसमें एक दिन में अधिकतम 10 लाख रुपये शामिल हैं।

लेनदेन की सीमा एक लाख रुपये से बढ़कर पांच लाख रुपये- इससे पहले, एनपीसीआइ सरकारी ई-मार्केटप्लेस पर कर भुगतान और बयाना राशि जमा सहित प्रति लेनदेन की सीमा एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख कर चुका है।

यात्रा क्षेत्र को भी उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है, जहां लेनदेन की सीमा एक लाख रुपये से बढ़कर पांच लाख रुपये हो गई है, साथ ही दैनिक सीमा 10 लाख रुपये कर दी गई है।

सिक्किम में भूस्खलन से तबाही, चार की मौत और तीन लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम में भूस्खलन की घटना में जहां चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। गुरुवार देर रात यह घटना पश्चिम सिक्किम के यांगथांग विधानसभा क्षेत्र के अधीन अपर रंबी में हुई है।

पुलिस तथा प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है। गेजिंग के पुलिस अधीक्षक छीरिंग शेरपा के अनुसार, भूस्खलन के समय तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची एवं राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया।

मणिपुर समेत तीन पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर पीएम मोदी, 7300 करोड़ की विकास परियोजनाओं की देंगे सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी असम समेत तीन पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री 13 सितंबर को मणिपुर के चूड़चंदपुर के पीस ग्राउंड से 7,300 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। चूड़चंदपुर में कुकी बहुसंख्यक हैं। 2023 में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद पीएम मोदी की यह पहली यात्रा होगी।

चूड़चंदपुर में कुकी बहुसंख्यक हैं- पीएम मोदी मैतेयी बहुल इंफाल से 1,200 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के मद्देनजर इंफाल और चूड़चंदपुर जिला मुख्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

2023 से हो रही मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा- मणिपुर में मई 2023 से मैतेयी और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 260 लोग मारे गए और हजारों बेघर हुए हैं।पिछले कुछ दिनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि पीएम मोदी पड़ोसी राज्य मिजोरम की अपनी आधिकारिक यात्रा के साथ मणिपुर की यात्रा भी करेंगे, लेकिन सरकार या भाजपा की ओर से इसकी कोई पुष्टि नहीं हुई।

हालांकि, इंफाल में गुरुवार शाम लगाए गए होर्डिंग में प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। मणिपुर के एकमात्र राज्यसभा सदस्य लीशेम्बा सनाजाओबा ने प्रधानमंत्री की यात्रा को लोगों और राज्य के लिए बहुत सौभाग्यशाली बताया।

इस बीच राज्य और केंद्रीय बलों के कर्मियों को इंफाल के कांगला किले और चूड़चंदपुर में पीस ग्राउंड के चारों ओर बड़ी संख्या में तैनात किया गया है। कंगला किले में भव्य मंच बनाया जा रहा है। केंद्रीय सुरक्षा अधिकारियों की टीम भी चूड़चंदपुर पहुंच गई है।

पीएम मोदी की मणिपुर यात्रा से पहले शीर्ष सैन्य अधिकारी ने भारत-म्यांमार सीमा पर अग्रिम इलाकों समेत विभिन्न जिलों में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की है। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि स्पीयर कोर के जनरल आफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस. पेंढारकर ने सुरक्षा समीक्षा की।

मणिपुर के कुकी बहुल चूड़चंदपुर जिले में दो स्थानों पर गुरुवार शाम बदमाशों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प हो गई। बदमाशों ने सड़कों पर लगे बैनर और कटआउट फाड़ दिए तथा पियर्सनमुन गांव और फिलियन बाजार में प्रधानमंत्री के दौरे के लिए लगाए गए बैरिकेड्स को तोड़ दिया।

नेपाली सेना का गौरवशाली इतिहास, शिव का त्रिशूल और डमरू है पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में सियासी संकट अपने चरम पर है, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद सेना ने कमान अपने हाथों में ले ली है। अशांत नेपाल के शांति के राह पर लाने की जिम्मेदारी अब सेना से कंधों पर है। नेपाली सेना की कमान संभाल रहे जनरल अशोक राज सिगदेल का भारत से एक खास नाता है। और संकट के इस दौर में नेपाल को वापस पटरी पर लाने का पूरा दारोमदार अब इन्ही के कंधों पर है।

नेपाल अबतक के सबसे गंभीर राजनीतिक संकट से जूझ रहा है, ऐसे समय में सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगदेल एक प्रमुख चेहरे के रूप में उभरे हैं। जनरल सिगदेल नई सरकार के गठन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सूत्रों की मानें तो लद्दुर्ट के हिंसक प्रदर्शन के दौरान जनरल सिगदेल ने ही पीएम केपी शर्मा ओली को इस्तीफे की सलाह दी थी, जिससे जनहानि को रोका जा सके।

नेपाल आर्मी चीफ जनरल अशोक राज सिगदेल से भारत के संबंधों की बात करें तो उन्होंने भारत के सिकंदराबाद स्थित कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट से डिफेंस मैनेजमेंट का कोर्स किया है। साल 2024 में जनरल अशोक राज सिगदेल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय सेना के जनरल के मानद पद से सम्मानित किया, जो भारत और नेपाल के बीच घनिष्ट सैन्य संबंधों का प्रतीक है।

7 दशकों से चली आ रही है परंपरा- भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक संबंधों को साथ-साथ सैन्य संबंध भी बहुत गहरे हैं। इसका सबूत है, दोनों देश एक-दूसरे के सेना प्रमुखों को सेना में जनरल पद की मानद उपाधि से सम्मानित करते हैं। यह प्रथा एक-दूसरे के देश के सेना प्रमुखों को मानद उपाधि प्रदान करने की सात दशक पुरानी परंपरा का पालन करती है। कमांडर-इन-चीफ जनरल केएम करियप्पा 1950 में इस उपाधि से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय सेना प्रमुख थे।

पिछले साल राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिगदेल भारतीय सेना के जनरल के मानद पद से सम्मानित किया था।

नेपाली सेना का इतिहास- 1700 का दशक पूरी दुनिया में अनिश्चितताओं से भरा था। राज्यों के बीच प्रतिद्वंद्विता सिर्फ इसी धरती के हिस्से तक सीमित नहीं थी। ब्रिटेन, फ्रांस और पुर्तगाल जैसी विश्व सैन्य शक्तियां अलग-अलग हिस्सों में उपनिवेश बनाने में व्यस्त थीं। उनके हितों के टकराव के कारण विभिन्न देशों में युद्ध हुए। ब्रिटेन और फ्रांस दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर भी बढ़ रहे थे। इससे नेपाल पर भी खतरा मंडरा रहा था।

17 साल का एकांत और फिर एक्टिव हुए ज्ञानेंद्र... क्या नेपाल में फिर राजशाही लौटेगी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शन से पहले राजशाही समर्थकों का आंदोलन भी हुआ था और इसे 6 महीने पूरे हो चुके हैं। उस समय आंदोलनकारी राजा वापस आओ और देश बचाओ के नारे लगाते हुए दिखाई दिए थे। अब जेन-जी के विरोध प्रदर्शन के बाद पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह फिर से सक्रिय नजर आ रहे हैं।

दरअसल, 2008 में राजशाही खत्म होने के बाद से ज्ञानेंद्र पिछले 17 सालों से एक आम नागरिक की तरह जीवन बिताया और काठमांडू के निर्मल निवास में रहे। कुछ समय के लिए वह नागार्जुन पहाड़ियों में बने अपने फार्महाउस में भी रहे। मार्च 2025 में जब वह काठमांडू लौटे तो हजारों समर्थकों ने उनका स्वागत किया और निर्मल निवास तक लेकर गए। मई में उन्होंने परिवार के साथ शाही महल का भी दौरा किया और पूजा भी की।

ज्ञानेंद्र शाह की एक्टिविटी से क्या संकेत मिल रहे- ज्ञानेंद्र शाह हाल के दिनों में काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं। नेपाल के राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए इसे काफी अहम माना जा रहा है। पोखरा में रहते हुए उन्होंने मंदिरों और तीर्थस्थलों का भ्रमण करते हुए आम लोगों से जुड़ने की कोशिश की। जानकारों की अगर मानें तो यह उनकी राजनीतिक वापसी का संकेत है।

राजशाही की वापसी और हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग- वहीं, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) खुलकर राजशाही की वापसी की मांग कर रही है और नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की बात भी कर रही।

नेपाल में जनता का गुस्सा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई को लेकर भड़का है। ऐसे में ज्ञानेंद्र की वापसी और बढ़ती सक्रियता से सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या नेपाल में फिर से राजशाही की वापसी होने जा रही है?

आलीशान बंगले, लाखों के हैंडबैग, लग्जरी लाइफस्टाइल... नेपोकिड्स के खिलाफ यूं ही नहीं भड़के नेपाल के युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल इस वक्त विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है। सरकारी की अक्षमता के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है और एक राष्ट्व्यापी आंदोलन के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया। नेपाल के युवाओं ने सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार और नेपाल के राजनेताओं के बच्चों की लग्जरी और अय्याशी भरी जिंदगी को प्रमुख मुद्दा बनाया।

नेपाल में सोशल मीडिया पर नेपा किड्स और पॉलिटिशियन नेपो बेबी जैसे की-वर्ड्स ट्रेंड करने लगे। इसमें नेपाल के आम युवाओं को बढ़ती बेरोजगारी और घोर गरीबी से जूझता हुआ दिखाया गया, जबकि नेपो किड्स को लग्ज़री कारों से घूमते, लाखों के डिजाइनर हैंडबैग और इंटरनेशनल ट्रिप करते हुए दिखाया गया। नेपाल के जेन-जी के निशाने पर ऐसे कई नेपो किड्स हैं। उदाहरण के लिए नेपाल के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बिरोध खातीवाड़ा की बेटी श्रृंखला खातीवाड़ा सोशल मीडिया पर अपनी विदेश यात्रा और लग्जरी जीवन शैली की तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। 29 साल की श्रृंखला मिस नेपाल भी रह चुकी हैं।

वहीं नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की बहू शिवना श्रेष्ठा भी अक्सर अपने करोड़ों के आलीशान बंगले और महंगे फैशन को लेकर चर्चा में रहती हैं।

बिल्डिंग बंद, एक व्यक्ति घायल... फिर भी सुरक्षाबलों के हाथ खाली; अमेरिका की नौसेना अकेडमी में कौन घुसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में नौसेना अकादमी में एक व्यक्ति घायल हो गया। यह हादसा तब हुआ, तब सुरक्षा दल संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद बिल्डिंग को क्लियर कर रहे थे। मामला गुरुवार का बताया जा रहा है। अमेरिकी नौसेना ने बताया कि गुरुवार को मैरीलैंड के एनापोलिस स्थित अमेरिकी नौसेना अकादमी में बिल्डिंग की क्लियरेंस के दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। बयान में कहा गया है कि किसी तरह का कोई सक्रिय शूटर खतरा नहीं है।

सुरक्षाबलों ने की कार्रवाई

घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है घायल व्यक्ति मिडशिपमैन था या उसे किस तरह की चोटें आई थीं।

नेवल सपोर्ट एक्टिविटी एनापोलिस ने एक बयान में कहा कि नौसेना के सुरक्षा अधिकारी और स्थानीय लॉ इंफोर्समेंट ऑफिसर शाम 5 बजे के तुरंत बाद परिसर में पहुंचे। इसके पहले नौसेना अकादमी ने कहा था कि खतरों की रिपोर्टों पर कार्रवाई के कारण अत्यधिक सावधानी के चलते उसे बंद कर दिया गया था।

लेकिन मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर के कार्यालय ने कहा था कि नौसेना अकादमी को फिलहाल कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है।

Gen-Z ने अचानक कैसे खड़ा कर दिया इतना बड़ा आंदोलन? नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री ने खोले राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में 26 सोशल मीडिया एप्स पर प्रतिबंध लगाने के बाद भड़का जेन-जी आंदोलन बाद में भ्रष्टाचार और नेपोकिड्स के पुराने जख्मों के कारण काफी उग्र हो गया। नेपाल में इतना सब कुछ अचानक कैसे हो गया, अब इस पर नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री की प्रतिक्रिया आई है।

नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने कहा है कि राजनीतिक दलों की लापरवाही और कुप्रबंधन के कारण आंदोलन हिंसक हो गया था। समाचार चैनल एनडीटीवी से बातचीत में रिजाल ने कहा, मृतकों के परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। मुझे उम्मीद है कि हम अब देश को आगे ले जाने की दिशा में काम करेंगे और जेन-जी की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे।

डॉ. रिजाल ने कहा कि सरकार ने लोगों का विश्वास खो दिया है। मैसेज को समझना जरूरी है न कि मैसेंजर को दंड देना। उन्होंने कहा कि मैं जिस सरकार और पार्टी का प्रतिनिधित्व करता हूँ, उसे मना नहीं सका। लेकिन अब देश को आगे बढ़ाना होगा।

डॉ. रिजाल ने कहा कि हमें समाधान का हिस्सा बनना होगा और संविधान का सम्मान करना होगा। हमें देखना होगा कि जेन-जी देश चलाने के लिए आम सहमति कैसे बना पाता है। जेन-जी का नेतृत्व करने वाले सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति को इस पद पर देखता हूं, जो संविधान की रक्षा करे।

इंडोनेशिया में आंदोलन से डरे नेता बिल्लियों को घर छोड़कर भागे, लोग बोले- जो पालतू जानवरों के नहीं हुए वो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में पिछले दिनों में बड़ी मात्रा में छात्र आंदोलन और विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। इस दौरान राजधानी जकार्ता में छात्रों ने कई राजनेताओं के घरों को निशाना बनाया।

आंदोलन के दौरान इन राजनेताओं के घरों से जो तस्वीरें सामने आई हैं, वह सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल है। दरअसल, राजनेता भले घर छोड़कर भाग खड़े हुए हों, लेकिन घरों में डरी-सहमी बिल्लियों ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया है। राजनेता अपनी बिल्लियों को छोड़कर भाग गए हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो- घर में डरी सहमी बिल्लियों की तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर देखते ही देखते वायरल हो गई हैं। ये तस्वीरें देखते ही देखते ये देशभर में नेताओं की संवेदनहीनता का प्रतीक बन गई। वहीं, लोगों ने सवाल खड़ा किया कि जो नेता अपनी बिल्लियों को नहीं संभाल सकते हैं, वह देश की जनता का क्या ध्यान रखेंगे।

राजनीतिक होते हैं पालतू जानवर- बताया जाता है कि इंडोनेशिया में बिल्लियां बेहद लोकप्रिय हैं। यहां पर बिल्लियों के सांस्कृतिक महत्व के अलावा, हाल की घटनाएं इंडोनेशिया में राजनीतिक छवि निर्माण की प्रकृति की भी जानकारी देती हैं। जानकारी के अनुसार, यहां पर अपनी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए इंडोनेशिया में कुछ नया नहीं है। इंडोनेशिया एक मुस्लिम बाहुल देश है, ऐसे में यहां पर बिल्लियों को लेकर काफी मान्यता है।

जनरल सिगदेल कौन हैं, जिनपर है नेपाल को एकजुट रखने की जिम्मेदारी? भारत में ली है आर्मी ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल अपने सबसे गहरे राजनीतिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे समय में सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिगदेल एक प्रमुख चेहरे के तौर पर उभरे हैं, जो विभाजित नेपाल को एकजुट रख सकता है। आइये जानते हैं जनरल अशोक राज सिगदेल कौन हैं और नई सरकार के गठन में उनकी क्या भूमिका हो सकती है।

त्रिभुवन विश्वविद्यालय से एमए करने वाले जनरल सिगदेल ने भारत और चीन के सैन्य कार्यक्रमों में प्रशिक्षण हासिल हासिल किया है। उन्होंने चीन की नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी से स्ट्रेटेजिक स्टडीज में मास्टर्स किया है। नेपाल, भारत और चीन में उनकी गहन सैन्य ट्रेनिंग हुई है।

सिगदेल ने भारत के सिकंदराबाद स्थित कालेज आफ डिफेंस मैनेजमेंट से डिफेंस मैनेजमेंट का कोर्स किया है। नेपाल के नागरकोट और आर्मी कमांड में एडवांस्ड कोर्स ने उनकी पेशेवर सैन्य शिक्षा को मजबूत बनाया।

आठ सितंबर को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के बाद नेपाल में पावर वैक्यूम की स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद सेना ने कानून एवं व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली। सेना प्रमुख ने छात्रों से शांति की अपील की।

उन्होंने युवा प्रदर्शनकारियों से हिंसा छोड़ कर बातचीत के लिए आगे आने को कहा। सेना प्रमुख ने नागरिकों की जान माल की सुरक्षा के लिए सेना की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

सुप्रीम कोर्ट में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर लगा प्रतिबंध, मीडियाकर्मियों को दी सख्त हिदायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने मुख्य परिसर को उच्च सुरक्षा क्षेत्र घोषित करते हुए यहां फोटो खींचने, इंटरनेट मीडिया पर रील बनाने और वीडियोग्राफी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

दस सितंबर को जारी एक सर्कुलर में शीर्ष अदालत ने मीडिया कर्मियों से कहा कि वे निर्धारित लॉन क्षेत्र में इंटरव्यू और समाचार का लाइव प्रसारण करें, जो कि एक निम्न सुरक्षा क्षेत्र है। उच्च सुरक्षा क्षेत्र के लॉन में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के लिए मोबाइल फोन का उपयोग निषिद्ध है।

वीडियोग्राफी, रील बनाने और फोटो खींचने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण जैसे कैमरा, ट्राइपाड, सेल्फी स्टिक आदि उच्च सुरक्षा क्षेत्र में प्रतिबंधित रहेंगे। इनका उपयोग केवल आधिकारिक उपयोग के लिए हो सकता है।

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई- सर्कुलर में यह भी जोड़ा गया, यदि किसी अधिवक्ता, वादी, इंटर्न या कानून क्लर्क द्वारा उपरोक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है, तो संबंधित बार एसोसिएशन या संबंधित राज्य बार काउंसिल उल्लंघनकर्ता के खिलाफ उनके नियमों और विनियमों के अनुसार उचित कार्रवाई करेगी। यदि मीडिया कर्मियों द्वारा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया जाता है, तो उनके लिए सुप्रीम कोर्ट के उच्च सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश को एक महीने के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। स्टाफ या रजिस्ट्री द्वारा किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा।

अन्य हितधारकों के मामले में संबंधित विभाग के प्रमुख से अनुरोध किया जाएगा कि वे उल्लंघनकर्ता के खिलाफ उनके नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई करें। सुरक्षा कर्मियों को किसी भी व्यक्ति, स्टाफ सदस्य, अधिवक्ता या अन्य को उच्च सुरक्षा क्षेत्र के अंदर फोटो खींचने या वीडियो बनाने से रोकने का अधिकार होगा।

दिल्ली के बाद अब बॉम्बे HC को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट में गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कोर्ट को उड़ाने की धमकी की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि आज बॉम्बे हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इससे पहले आज दोपहर दिल्ली के उच्च न्यायालय में भी बम की धमकी मिली। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, बॉम्बे हाईकोर्ट में बम की धमकी की खबर जैसे ही सामने आई, वहां पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसके तुरंत बाद वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मी एक्टिव हो गए। आनन-फानन में बॉम्बे हाईकोर्ट के परिसर को खाली कराया जा रहा है।

जांच में जुटे अधिकारी- बम की सूचना मिलने के तुरंत बाद अधिकारी जांच में जुट गए। बॉम्बे हाईकोर्ट में तलाशी ली जा रही है। पूरे परिसर को खाली कराया जा रहा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये बम की धमकी किसने दी थी।

दिल्ली एचसी को भी मिली बम से उड़ाने की धमकी- गुरुवार को ही दिल्ली के उच्च न्यायालय में भी बम की खबर सामने आई है। जिसके तुरंत बाद पूरे कोर्ट परिसर को खाली करा लिया गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अबू धाबी के BAPS हिंदू मंदिर के किए दर्शन, बोले- ये असंभव चमत्कार

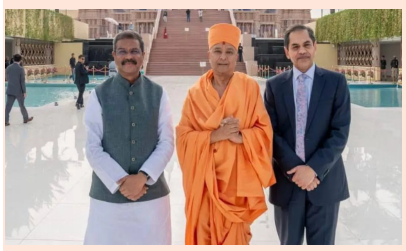

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अबू धाबी स्थित बीएपीएस हिंदू मंदिर का दर्शन किया और इसे असंभव चमत्कार बताया।

उन्होंने इसकी अद्भुत सुंदरता, रचनात्मकता और समावेशिता की सराहना की तथा इस ऐतिहासिक परियोजना को साकार करने में बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के संतों की निस्वार्थ सेवा के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

धर्मेन्द्र प्रधान बीएपीएस हिंदू मंदिर की सुंदरता, रचनात्मकता और समावेशिता से मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने इसे असंभव चमत्कार और एक सभ्यता की उपलब्धि बताते हुए बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के संतों की निस्वार्थ सेवा के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

भक्ति और त्याग का भी प्रतीक है ये मंदिर- उन्होंने उल्लेख किया कि यह मंदिर भारत के शाश्वत मूल्यों सौहार्द, शांति और आध्यात्मिकता का वैश्विक स्तर पर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल असाधारण शिल्पकला को प्रदर्शित करता है बल्कि असंख्य स्वयंसेवकों और भक्तों की सामूहिक भक्ति और त्याग का भी प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि यह मंदिर हमेशा भारत के सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक रहेगा, जो राष्ट्रों के दिलों को जोड़ता है और दुनिया को आस्था और सेवा की अमर शक्ति की याद दिलाता है।

दक्षिणपंथी नेताओं को निशाना बनाने वाले थे Terrorist, ISIS आतंकियों की चैट से हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर से हुई 5 संदिग्ध आईएसआईएस आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। आतंकियों की चैट के जांच के बाद पता चला है कि वे सभी कुछ दक्षिणपंथी नेताओं को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे।

ये गिरफ्तारियां दिल्ली, मध्य प्रदेश, झारखंड और तेलंगाना से हुईं। दो आरोपियों आफताब और अबू सूफियान को दिल्ली के निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन से हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। ये दोनों मुंबई जा रहे थे। वहीं मुख्य आरोपी अशहर दानिश को रांची से गिरफ्तार किया गया है।

बड़ी मात्रा में हथियार बरामद- एक अन्य आरोपी कामरान कुरैशी को मध्य प्रदेश के राजगढ़ से गिरफ्तार किया गया, वहीं हजैफ यमन को तेलंगाना से पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि इनके पास से बड़ी मात्रा में केमिकल, हथियार और कारतूस बरामद किए गए।

इसके अलावा एक पिस्तौल, एक लैपटॉप, मोबाइल फोन, वज़न मापने की मशीन, बीकर सेट, सुरक्षा दस्ताने, श्वसन मास्क, मदरबोर्ड वाला एक प्लास्टिक कंटेनर और तार भी जब्त किए गए हैं। बताया जा रहा है कि मॉड्यूल में करीब 40 सक्रिय सदस्य थे, जिसमें से केवल 5 इस आतंकी गतिविधि की जानकारी थी।

इंग्लिश में पोस्ट ग्रेजुएट है दानिश- कुछ आतंकवादी आत्मघाती जैकेट और आत्मघाती हमलावर भी तैयार कर रहे थे। मुख्य आरोपी दानिश इंग्लिश में पोस्ट ग्रेजुएट है। उसका कोड नेम गजवा था। वह खुद को एक छात्र के रूप में दिखाता था। एक बार आईईडी बनाते वक्त दानिश घायल भी हुआ था।

अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी रासायनिक हथियार बनाने में माहिर थे और आईएसआईएस के स्लीपर मॉड्यूल का हिस्सा था। वे संगठन में युवाओं की भर्ती का काम कर रहे थे। उन्हें बम बनाने, हथियार खरीदने और संगठन की ताकत बढ़ाने का काम सौंपा गया था।

आपने उसपर मिर्च-मसाला लगाया..., कंगना रनौत को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सांसद कंगना रनौत को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। 2020-21 के किसान आंदोलन से जुड़े एक रिट्वीट पर उनकी टिप्पणी के खिलाफ दायर मानहानि केस को रद करने की याचिका उन्होंने वापस ले ली।

सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई से साफ इनकार कर दिया और कहा कि वह निचली अदालत में अपनी बात रख सकती हैं। यह मामला कंगना के उस रिट्वीट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने एक बुजुर्ग महिला प्रदर्शनकारी के बारे में टिप्पणी की थी, जिसे मानहानिकारक माना गया था।

कंगना की इस टिप्पणी के बाद पंजाब के बठिंडा की रहने वाली 73 वर्षीय महिंदर कौर ने उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया। यह मामला तब और गंभीर हो गया, जब पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने भी कंगना की याचिका खारिज कर दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट के इस रुख ने कंगना के लिए कानूनी राह और मुश्किल कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कंगना की याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई शुरू होते ही जस्टिस मेहता ने कंगना की टिप्पणी पर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा, यह कोई साधारण रिट्वीट नहीं था। आपने इसमें अपनी टिप्पणी जोड़ी, मसाला डाला। कंगना के वकील ने सफाई देने की कोशिश की और कहा कि उनकी मुवक्किल ने अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण दे दिया है। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि यह स्पष्टीकरण निचली अदालत में दिया जा सकता है।

जब कंगना के वकील ने कहा कि वह पंजाब में सुरक्षित महसूस नहीं करतीं और वहां यात्रा नहीं कर सकतीं, तो कोर्ट ने सुझाव दिया कि वह व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए आवेदन कर सकती हैं।

कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी कि अगर कंगना के वकील ज्यादा बहस करेंगे, तो अदालत ऐसी टिप्पणी कर सकती है, जो उनके मुकदमे को नुकसान पहुंचाए।

बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में दो नक्सली ढेर, कई हथियार बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

इस एनकाउंटर में दो नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। वहीं, सुरक्षाबलों ने एक .303 राइफल और अन्य हथियार व गोला-बारूद बरामद। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने बताया कि सर्च ऑपरेशन जारी है। दोनों ओर से रुक-रुककर गोलीबारी जारी है।

बड़ी मात्रा में बरामद हुए हथियार- अधिकारियों ने इस संबंध में बताया है कि मौके से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि बरामद हथियार के मिलने से साफ है कि माओवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। बरामद सामानों में 303 रायफल के अलावा बम बनाने में उपयोगी सामग्री भी शामिल है।

रुक-रुककर जारी है गोलीबारी- पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि वर्तमान में ऑपरेशन जारी है। यही वजह है कि सुरक्षा के लिहाज से सुरक्षाबलों की संख्या को साझा नहीं किया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि अभियान समाप्त होने के बाद विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

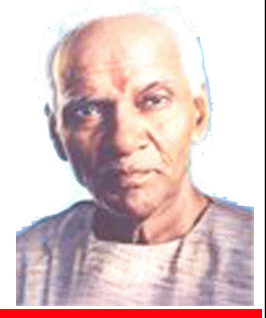

विक्रम संवत 2079 शुक्ल षष्ठमी

संपादकीय

नेपाल में जेन जी आंदोलन अभी थमा ही नहीं है बल्कि उनमें ही आपसी फूट के नज़ारे दिख रहे

वैश्विक स्तरपर नेपाल में जेन जी आंदोलन अभी थमा ही नहीं है बल्कि उनमें ही आपसी फूट के नज़ारे दिख रहे हैं उधर फ्रांस में जेन जी के लिए सोशल मीडिया पर बैन की खबर पर चर्चा जारी है,लेकिनअमेरिका में अपने विचारों से जेन जी पर असर डालने वाले कंजरवेटिव एक्टिविस्ट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी दोस्त चार्ली कर्क की हत्या, पूरी दुनियाँ के लिए इससे भी बड़ी खबर बनी हुई है, अमेरिका,यूरोप और दुनियाँ भर के मुस्लिम मुल्कों के साथ साथ भारत में भी डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली कर्क की हत्या पर चर्चा की जा रही है,सिर्फ 31 साल के चार्ली कर्क अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कितने महत्वपूर्ण थे,उसे इस तरह समझा जा सकता है,उनकी हत्या के बाद ट्रंप ने अमेरिकी झंडे को चार दिन तक झुका कर रखने का आदेश दिया है, इसी के साथ ट्रंप ने कर्क के हत्यारे को किसी भी कीमत पर पकड़कर सजा देने का भी एलान किया है। चार्ली कर्क की उस वक्त गोली मारकर हत्या की गई जब वो अमेरिका की यूटायूनिवर्सिटी में छात्रों से बातचीत कर रहे थे, अचानक एक गोली चली जो उनके गले में लगी,अस्पताल में उनको मृत घोषित कर दिया गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि,दुनियाँ के सामने सबसे बड़ा सवाल है चार्ली कर्क को किसने मारा?उसकी हत्या क्यों की गई, क्या यह हत्या अमेरिका में एक बहुत बड़े विभाजन का अलॉर्म बजा रही है? क्या चार्ली कर्क को सिर्फ इसलिए मार दिया गया क्योंकि वो डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक थे?चार्ली की हत्या उस वक्त की गई जब वो कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं यानि जेन ज़ी के बीच ट्रंप की विचारधारा को बढ़ाने के अभियान पर निकले थे।चूँकि ट्रंप केक्क्लाडलेक्क का मर्डर क्यों?दुनियाँ के सामने सबसे बड़ा सवाल?, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राजनीतिक मतभेद अब सिर्फ भाषणों या विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं हैं,बल्कि हिंसा का रूप ले रहे हैं?-चार्ली की हत्या एक गंभीर संकेत है।

साथियों बात अगर हम हत्या की टाइमिंग की करें तोसिर्फ 31साल के चार्ली अमेरिकन कमबैक टूर पर थे,इस कार्यक्रम का आयोजन चार्ली के संगठन टर्निंग पॉइंट यूएसए ने किया था,इस संगठन की स्थापना चार्ली ने सिर्फ 18 साल की उम्र में की थी,इस छात्र संगठन का मकसद अमेरिकी कॉलेजों में कंजर्वेटिव विचारधारा का प्रचार-प्रसार करना है, कंजर्वेटिव विचारधारा ये मान्यता रखती है कि पुरानी परंपराएं, धर्म, रीति-रिवाज़ और नैतिक मूल्य समाज को स्थिर और मजबूत बनाते हैं, यानि ये पुराने रीति रिवाजों के बदलाव का विरोध करती है। इसके अलावा राष्ट की संप्रभुता, झंडा, सेना और राष्ट्रीय पहचान के प्रति गर्व और निष्ठा की भावना रखती है,यानि ये अमेरिकी की राष्ट्रवादी विचारधारा है,अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी इसी विचारधारा को फॉलो करती है। इसी वजह से चार्ली कर्क डोनाल्ड ट्रंप के बहुत करीबी थे, और विरोधियों के निशाने पर रहते थे।

अपने अमेरिकन कमबैक टूर पर वह कैंपस में युवाओं से संवाद करने वाले थे, यूटा वैली यूनिवर्सिटी उनका पहला स्टाप था, जहां पर उनकी हत्या कर दी गई।हम कह सकते हैं चार्ली की हत्या उस वक्त की गई जब वो कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं यानि जेन ज़ी के बीच ट्रंप की विचारधारा को बढ़ाने के अभियान पर निकले थे।

रामास्वामी परमेस्वरन

मेजर रामास्वामी परमेस्वरन परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय थे। उन्हें यह सम्मान सन 1987 में मरणोपरांत मिला। भारत की सेनाओं ने हमेशा युद्ध के लिए हथियार नहीं उठाए बल्कि ऐसा भी मौका आया, जब उसकी भूमिका विश्व स्तर पर शांति बनाए रखने की रही। श्रीलंका में ऐसे ही उदाहरण के साथ भारत का नाम जुड़ा हुआ है। विस्तृत इतिहास के बीच एक प्रसंग %ऑपरेशन पवन% का है, जो 1987 से 1990 तक श्रीलंका में चला, जिसमें भारतीय सेना के वीर मेजर रामास्वामी परमेस्वरन् ने शांति विरोधी तत्वों के हाथों अपने प्राण गँवाए और इसके लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा परमवीर चक्र प्रदान किया गया।

जीवन परिचय

मेजर रामास्वामी परमेस्वरन् का जन्म 13 सितम्बर 1946 में बम्बई में हुआ था। सेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में वह महार रेजिमेंट में 16 जनवरी, 1972 को आए थे। उन्होंने मिजोरम तथा त्रिपुरा में युद्ध में भाग लिया था। वह अपने स्वभाव में अनुशासन तथा सहनशीलता के कारण बहुत लोकप्रिय अधिकारी थे और उन्हें उनके साथी पेरी साहब कहा करते थे।

तमिल ईलम की माँग

श्रीलंका में शांति भंग की समस्या की जड़ में वहाँ के निवासी सिंघली तथा तमिलों के बीच का द्वन्द्व है। तमिल लोग वहाँ पर अल्पसंख्यकों के रूप में बसे हैं। आंकड़े बताते हैं कि तमिल श्रीलंका की कुल आबादी का केवल 18 प्रतिशत हिस्सा हैं और श्रीलंका की सिंघली बहुल सरकार की ओर से तमिलों के हितों की अनदेखी होती रही है। इससे तमिलों में असंतोष की भावना इतनी भरती गई कि उसने विद्राह का रूप ले लिया और वह स्वतंत्र राज्य तमिल ईलम की माँग के साथ उग्र हो गया। स्पष्ट है कि श्रीलंका इस प्रकार की उग्र तथा विघटनकारी भावना का दमन करती। इस दमन चक्र का परिणाम यह हुआ कि श्रीलंका से तमिल नागरीक बतौर शरणार्थी भारत के तमिलनाडु में भागकर आने लगे। यह स्थिति भारत के लिए अनुकूल नहीं थी। ऐसे में 29 जुलाई, 1987 को भारत और श्रीलंका के बीच एक अनुबंध हुआ, जिसमें श्रीलंका के कई तमिल प्रतिनिधि भी साथ लिए गए। इस अनुबंध के अनुसार भारत की इण्डियन पीस कीपिंग फोर्स का श्रीलंका जाना तय हुआ जहाँ वह तमिल उग्रवादियों का सामना करते हुए वहाँ शांति बनाने का काम करें ताकि श्रीलंका से भारत की ओर शरणार्थियों का आना रुक जाए।

टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम

इस IPKF अर्थात् भारतीय शांति सेना ने सभी उग्रवादीयों से हथियार डालने का दवाब वनाया, जिसमें वह काफ़ी हद तक सफल भी हुई लेकिन तमिल ईलम का उग्रवादी संगठन स्ल्ज्ञश्च अर्थात् टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम इस काम में कुटिलता बरत गया। उसने पूरी तरह से हथियार न डाल कर अपनी नीति बदल ली और उन्होंने आत्मघाती दस्तों का गठन करके गोरिल्ला युद्ध शिल्प अपना लिया। 5 अक्टूबर, 1987 को टाइगर्स की ओर से ऐसा ही कृत्य देखने को मिला। ऐसी स्थिति में भारत की शांति सेना की भूमिका बदल गई। खुद को टाइगर्स के हमले से बचने के लिए उन्हें भी सतर्क योद्धा का तरीक़ा अपनाना पड़ा और वहाँ भी युद्ध जैसी स्थिति आने से बच नहीं पाई।

ऑपरेशन पवन

इसी शांति सेना की भूमिका में 8 महार बटालियन से मेजर रामास्वामी परमेस्वरन् श्रीलंका पहुँचे थे। उनके साथ 91 इंफेंटरी ब्रिगेड तथा 54 इंफेंटरी डिविजन था और उनके इस लक्ष्य का नाम %ऑपरेशन पवन% दिया गया था। यह ग्रुप 30 जुलाई, 1987 को ही, यानी अनुबंध होने के अगले ही दिन श्रीलंका पहुँचा था और जाफ़ना पेनिनसुला में तैनात हुआ था वहाँ पहुँचते ही इन्हें कई मोर्चों पर टाइगर्स का सामना करना पड़ा था, जिनमें मरुथनामादास, तथा कंतारोदाई प्रमुख कहे जा सकते हैं। 24 नवम्बर, 1987 को इस बटालियन को, जिसकी अगुवाई मेजर रामास्वामी कर रहे थे, सूचना मिली कि कंतारोताई के एक गाँव में शस्त्र तथा गोलाबारूद का एक जखीरा किसी घर में उतारा गया है। सूचना मिलते ही कैप्टन डी. आर. शर्मा के साथ 20 सैनिकों का एक दल इस सूचना की सत्यता और उससे जुड़े तथ्य पता करने रवाना कर दिया गया। इस गस्ती दल पर, उस संदिग्ध घर के पास एक मन्दिर के परिसर से गोली बरसाई गई जिससे इस दल को भी गोलियां चलानी पड़ीं। उस समय भारत की बटालियन उडूविल में थी। वहाँ इस दल ने सूचना भेजी कि संदिग्य मकान में टाइगर्स का अड्डा है और वहाँ इनकी गिनती हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा है। इस सूचना के आधार पर मेजर रामास्वामी तथा %सी% कम्पनी के कमाण्डर ने यह तय किया कि इस स्थिति का मुकाबला नियोजित ढंग से किया जाना चाहिए। उन्होंने मजबूर गश्ती दल के साथ-साथ साढ़े 8 बजे कैप्टन शर्मा के दल के साथ मिलने के लिए कूच किया ताकि उस संदिग्ध मकान पर कार्रवाई की जा सके। मेजर रामास्वामी का पूरा दल उस मकान के पास रात को डेढ़ बजे 25 नवम्बर 1987 को पहुँच गया। वहाँ कोई हलचल उन्हें नजर नहीं आई, सिवाय इसके कि एक ख़ाली ट्रक घर के पास खड़ा हुआ था। मेजर रामास्वामी के दल ने उस मकान की घेरा बन्दी कर ली और तय किया कि सवेरे रौशनी की पहली किरण के साथ ही वहाँ तलाशी अभियान शुरू कर दिया जाएगा।

सुबह पाँच बजे तलाशी का काम शुरू हुआ लेकिन वहाँ कुछ भी नहीं मिला। आखिर वे लोग वापस चल पड़े। तभी मन्दिर के बगीचे से गोलाबारी शुरू हो गई। इस दल ने भी जवाबी कार्रवाई की। दुश्मन की अचानक गोलाबारी से इस दल का एक जवान मारा गया था और एक घायल हो गया था। इस पर मेजर रामास्वामी तथा कैप्टन शर्मा ने अपनी रणनीति तय की और उसके हिसाब से कार्रवाई शुरू की। इस दौरान मन्दिर की बगिया और वहाँ नारियल के झुरमुटों के बीच से दुश्मन गोलाबारी कर रहा था। इसी का सामना करते हुए जब मेजर रामास्वामी नारियल के बाग के सामने पहुँचे तो उनका सामना उग्रवादी टाइगर्स से हो गया और स्थिति आमने-सामने की मुठभेड़ की बन गई। तभी अचानक एक उग्रवादी की राइफल से छूट कर एक गोली सीधे मेजर रामास्वामी परमेस्वरन् की छाती पर लागी। यह एक प्राणघाती हमला था लेकिन रामास्वामी ने इसकी परवाह किए बगैर उस उग्रवादी से झपट कर उसकी राइफल छीनी और उसी दुश्मन का काम तमाम कर दिया। छाती पर गोली लगने से मेजर रामास्वामी परमेस्वरन् निढाल हो गए थे, तब भी वह साहस पूर्ण नेतृत्व क्षमता दिखाते हुए अपने दल को निर्देश देते रहे उनके दल ने फुर्ती से दुश्मन को घेर लिया था और दुश्मन भी समझ गया था कि अब वह आक्रामक रुख नहीं अपनाए रह सकता। उसने तुरंत पैंतरा बदल और जंगल की तरफ भागने के लिए रुख किया, फिर भी भारत के, जवानों ने इनमें से छह उग्रवादी तमिल ईलमों को मार गिराया तथा उनसे तीन ए. के. 47 राइफल्स तथा दो रॉकेट लांचर्स हथिया लिए जिनमें बम भी लगे हुए थे। इस तरह से वीरतापूर्वक मेजर रामास्वामी परमेस्वरन् श्रीलंका के %ऑपरेशन पवन% में शहीद हो गए और उन्होंने भारत सरकार का युद्ध में दिया जाने वाला सर्वश्रेष्ठ सम्मान परमवीर चक्र प्राप्त किया। 25 नवम्बर, 1987 को 46 वर्ष की आयु में पराक्रमी रामास्वामी वीरगति को प्राप्त हुए लेकिन उन्होंने देश के हित में एक आदर्श स्थापित किया।

ट्रेन के कवच बनाएगी ये कंपनी, भारतीय रेलवे से मिला बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी कंपनी BHEL को रेलवे से कवच बनाने का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने इसकी जानकारी एक्सचेंज फाइलिंग में दी। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि उसे भारतीय रेलवे के दक्षिण पश्चिम रेलवे डिवीजन से तस्ज्ञ सहित ?22.87 करोड़ का ऑर्डर मिला है। आज यानी 12 सितंबर को भेल के शेयर 0.30 फीसदी गिरकर 228.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। हालांकि, इस खबर से सोमवार 15 सितंबर को इसके शेयर फोकस में रहेंगे।

11 सितंबर, 2025 को लोकोमोटिव और स्टेशनों, लेवल क्रॉसिंग, इंटरलॉकिंग केबिन और स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग स्थानों पर ट्रैकसाइड कवच प्रणालियों में ऑन-बोर्ड कवच उपकरणों के डिजाइन, विकास, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए आशय पत्र जारी किया गया था। भारतीय रेलवे के लिए कवच का निर्माण BHEL की बेंगलुरु प्लांट में किया जाएगा और यह ऑर्डर 18 महीने के भीतर पूरा किया जाना है।

इससे पहले सितंबर के पहले सप्ताह में, BHEL ने बताया था कि उसने मध्य प्रदेश में अपनी 1×800 मेगावाट की अनूपपुर थर्मल पावर परियोजना के लिए प्रमुख उपकरणों की आपूर्ति के लिए एमबी पावर (मध्य प्रदेश) लिमिटेड से जीएसटी को छोड़कर लगभग 2,600 करोड़ रुपये का आशय पत्र स्वीकार कर लिया है। इस ऑर्डर के तहत भेल को बॉयलर, टरबाइन, जनरेटर और संबंधित सहायक उपकरणों के साथ-साथ नियंत्रण एवं उपकरणों का निर्माण करना है।

बॉयलर का निर्माण भेल के त्रिची संयंत्र में किया जाएगा, जबकि टरबाइन जनरेटर का उत्पादन कंपनी के हरिद्वार संयंत्र में किया जाएगा। आपूर्ति पूरी होने की समय-सीमा 58 महीने निर्धारित की गई है। भेल को मिले नए ऑर्डर के बाद सोमवार 15 सितंबर को इसके शेयर फोकस में रह सकते हैं। 12 सितंबर को NSE पर BHEL के शेयर 0.68 रुपये गिरकर के 228.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए।

दुबई में 4800 करोड़ की लागत से बना दुनिया का सबसे ऊंचा होटल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई एक ऐसा शहर जहां हर कोई बसना चाहता है। जाना चाहता है। इस शहर में एक से एक ऊंची-ऊंची इमारतें हैं। यहीं पर बुर्ज खलीफा है। अब इस शहर में दुनिया के सबसे ऊंचे एक और चीज की एंट्री हो गई है। दुनिया का सबसे ऊंचा होटल दुबई में खुलने जा रहा है। इस होटल का नाम Ciel Dubai Marina है। दुबई में स्थिति यह होटल दुनिया के सबसे ऊंचे होटल का ताज पहन चुका है। अब इसके खुलने की बारी है। नवंबर में सिएल दुबई मरीना का उद्घाटन होगा। इसकी ओपनिंग के साथ दुबई अपनी लगातार बढ़ती गगनचुंबी इमारतों की सूची में एक और नाम जोड़ लेगा।

कहां है दुनिया का सबसे ऊंचा होटल- दुनिया का सबसे ऊंचा होटल Ciel Dubai Marina दुबई में है। 82 मंजिलों में 1,004 कमरों के साथ, सिएल दुबई मरीना, दुबई के शेख जायद रोड पर स्थित 356 मीटर ऊँचे गेवोरा होटल को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे ऊंचा होटल बन जाएगा।

कब खुलेगा दुनिया का सबसे ऊंचा होटल- इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप ने पुष्टि की है कि होटल नवंबर 2025 में खुलेगा, और कमरे का आरक्षण अब शनिवार 15 नवंबर से ऑनलाइन उपलब्ध है।

अक्टूबर से शुरू नए सत्र में देश में चीनी की खपत बढ़ने की उम्मीद, सरकार निर्यात की भी देगी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश भारत 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले नए चीनी सत्र में फिर निर्यात कर सकता है। इसके लिए पर्याप्त स्टॉक होगा। भारत के निर्यात से वैश्विक कीमतों पर असर पड़ सकता है, लेकिन इससे सरकार को स्थानीय बाजार में चीनी की कीमतों को सहारा देने और किसानों को चीनी मिलों से उनके गन्ने का न्यूनतम मूल्य सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के संयुक्त सचिव अश्विनी श्रीवास्तव ने एक सम्मेलन में कहा, नए सीजन में चीनी निर्यात की गुंजाइश होगी। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि निर्यात के लिए कितनी चीनी उपलब्ध होगी। सितंबर में समाप्त होने वाले चालू मार्केटिंग वर्ष में उत्पादन में गिरावट के बावजूद सरकार ने 10 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात की अनुमति दी।

श्रीवास्तव ने कहा कि अगले सीजन का उत्पादन अच्छा रहने की संभावना है। घरेलू खपत और इथेनॉल उत्पादन की जरूरतों को पूरा करने के बाद, निर्यात के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होगा। नए सीजन में देश की चीनी की खपत चालू वर्ष के 280 लाख टन से बढ़कर 285-290 लाख टन के बीच रहने की संभावना है।

नए मार्केटिंग वर्ष की शुरुआत 50 लाख मीट्रिक टन के स्टॉक के साथ होगी। चालू मार्केटिंग वर्ष की शुरुआत में स्टॉक 80 लाख टन था। श्रीवास्तव ने कहा कि नए सीजन में गन्ना आधारित फीडस्टॉक से रिकॉर्ड 4.8 अरब लीटर इथेनॉल का उत्पादन होने की संभावना है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा निर्माता एसोसिएशन ने अनुमान लगाया था कि 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025-26 मार्केटिंग वर्ष में 349 लाख टन चीनी उत्पादन होगा। प्राइवेट चीनी मिलों की संस्था इस्मा ने ताजा सैटेलाइट इमेजरी और जमीनी रिपोर्ट के आधार पर यह आकलन किया।

इस साल के अंत तक कितना पहुंच सकता है सोने का भाव? एक्सपर्ट ने दी राय

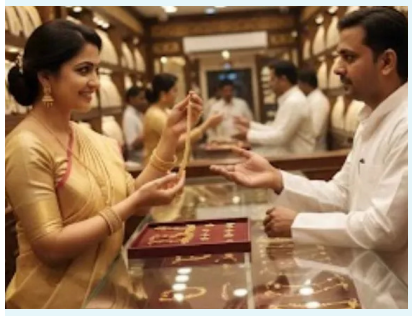

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में सोना सिर्फ निवेश के उद्देश्य से नहीं खरीदा जाता। इससे लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती है। सोने और चांदी में आए दिन एक नई रफ्तार देखी जा रही है। इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में सबके मन में सवाल है कि आने वाले समय में सोना कितना पहुंच सकता है।

या वेल्थ ग्लोबल के डायरेक्टर अनुज गुप्ता ने कहा कि सोने का भाव इस साल के अंत या दिसंबर तक 112,000 रुपये से 115,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच सकता है। उन्होंने सोने में बढ़ोतरी के कई कारण बताए हैं।

उन्होंने कहा कि सेंट्रल बैंक सोने की खरीदारी तेज कर रहा है। इसके साथ ही उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका का फेडरल बैंक इंटरेस्ट रेट में कटौती कर सकता है। इससे डॉलर कमजोर पड़ सकता है और सोने की खरीदारी बढ़ सकती है। टैरिफ से होने वाली अस्थिरता भी सोने में बढ़ती खरीदारी का कारण बताया जा रहा है। वहीं कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया ने भी कहा है कि सोने का भाव इस साल के अंत तक 1,120,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है। खरीदारी बढ़ने से सोने की कीमत में इजाफा हो सकता है।

68 के अंबानी और 63 के अदाणी, अब अगली पीढ़ी को सौंप रहे कमान, बेटा-बेटी से लेकर बहुओं तक को दी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी समेत देश के कई उद्योगपति अब रिटायरमेंट की उम्र के करीब आ गए हैं, और अपना व्यापारिक साम्राज्य नई पीढ़ी के हाथों में देने की तैयारी कर रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अदाणी ग्रुप की कई बड़ी कंपनियां हैं, जिन्होंने भारत में पूंजीवाद को बड़ी पहचान दिलाई है। ऐसे में सवाल है कि इन कंपनियों की कमान किन लोगों को सौंपी जाएगी। एचएसबीसी बैंक की रिपोर्ट में पाया गया कि 79% हुरुन के आंकड़ों के अनुसार, 2024 तक भारत में 334 अरबपति थे, जिनमें से लगभग 70त्न के अरबपति 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति को अपने उत्तराधिकारी को सौंपने की योजना बना रहे हैं। यह रकम भारत के सकल घरेलू उत्पाद के एक तिहाई से भी ज़्यादा है। आइये आपको बताते हैं अंबानी से लेकर अदाणी जैसे अरबपति कारोबारियों ने फैमिली बिजनेस को लेकर अगली पीढ़ी को सौंपने को लेकर क्या प्लान बनाया है?

भारतीय उद्यमी अपने व्यवसाय को परिवार के सदस्यों को सौंपने की योजना बना रहे हैं।

अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी 63 साल के हो चुके हैं और उन्होंने 70 साल की उम्र में रिटायरमेंट का प्लान बना लिया है। वे 2030 के दशक की शुरुआत तक अपने 213 अरब डॉलर के साम्राज्य की बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपने की तैयारी में है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, गौतम अदाणी का यह बिजनेस एंपायर 4 उत्तराधिकारियों, बेटों करण और जीत, और चचेरे भाइयों प्रणव और सागर को बराबर-बराबर मिलेगा। ये चारों पहले से ही अदाणी ग्रुप के विशाल कारोबार में शामिल हैं।

दूध-दही, तेल-शैंपू से बीड़ी-इंश्योरेंस तक... 22 सितंबर से क्या-क्या होगा सस्ता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन सितंबर को जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में सरकार ने टैक्स दरों में बड़ा बदलाव किया है। सरकार के इस कदम से रोजाना इस्तेमाल होने वाली कई खाद्य चीजों पर जीएसटी 18त्न से घटाकर 5% हो गया है। मतलब आटा, चावल, दाल जैसी चीजें पहले से सस्ती हो सकती हैं।

नई दरों में ज्यादातर सामान 5% और 18त्न के दायरे में आएंगे। सिर्फ कुछ उत्पाद, जैसे गुटखा, तंबाकू और सिगरेट पर 40% टैक्स लागू रहेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साफ किया है कि नई दरें 22 सितंबर से लागू होंगी, जो नवरात्रि के पहले दिन से मेल खाती हैं।

इसका सीधा असर आपकी रसोई से लेकर जेब तक महसूस होगा। ये बदलाव सिर्फ बाजार नहीं, बल्कि आम लोगों के बजट और खर्च की प्लानिंग पर भी असर डालेंगे। ऐसे में हम आपको उन 228 सामानों की लिस्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 22 सितंबर से सस्ती होने जा रही हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बिजली बिल में होगी भारी बचत! रीवा के बाद अब ग्वालियर नगर निगम कराएगा एनर्जी ऑडिट

ग्वालियर। नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नवाचारों पर फोकस करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में नगरीय निकायों के बिजली का खर्च कम कराने के लिए एनर्जी आडिट कराया जा रहा है।

रीवा के बाद ग्वालियर नगर निगम दूसरा शहर है, जिसने इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए एनर्जी ऑडिट की टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। ग्वालियर नगर निगम इस कार्य के लिए 1.67 करोड़ रुपये खर्च करेगा, जिसमें स्ट्रीट लाइट के साथ ही वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, बोरिंग, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, सुलभ

काम्प्लेक्स, निगम के कार्यालयों में आने वाले हर माह के सात से आठ करोड़ रुपये के बिल को कम कराने की दिशा में कार्य कराया जाएगा। 15 साल पहले भी एक बार इस तरह का ऑडिट कराया जा चुका है। लेकिन इस बार ऑडिट करने वाली निजी एजेंसी ही बिजली के बिल की राशि को कम कराने के न सिर्फ तरीके बताएगी, बल्कि बिजली कंपनी से संपर्क में रहकर जरूरी बदलाव भी करेगी।

जरूरी बदलाव में यदि किसी संसाधन की आवश्यकता है, तो उसकी व्यवस्था भी शेड्यूल आफ रेट (एसओआर) के आधार पर कंपनी को ही करनी होगी। कंपनी की कार्यावधि 12 माह की रहेगी यानी पूरे साल कंपनी को एनर्जी ऑडिट के साथ ही बिजली के बिल की राशि कम करने की दिशा में काम करना होगा।

ग्वालियर में युवक ने दिनदहाड़े लड़की को गोलियों से भूना, सनकी को काबू करने के लिए पुलिस ने छोड़ी आंसू गैस

ग्वालियर। रूप सिंह स्टेडियम के पास नगर निगम मुख्यालय से 100 मीटर दूर एक सनकी ने एक लड़की को गोली मार दी। उसने तकरीबन 5 से 6 राउंड फायर किए, जहां बड़ी मुश्किल से पुलिस ने सनकी को काबू किया। पीड़िता को अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आंसू गैस और बल प्रयोग कर सनकी युवक को पकड़ कर मेडिकल के लिए भेजा है।

बालाघाट की बाघ नदी के तेज बहाव में मां-बेटा बहे, 15 घंटे बाद भी लापता; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बालाघाट। बहेला थाना क्षेत्र के ग्राम अमेडा और चिंगलुटोला के बीच बहने वाली छोटी बाघ नदी गुरुवार शाम को हादसे का कारण बन गई। तेज बहाव में गांव की एक महिला और उसका पुत्र बह गए।

घटना शाम करीब 5 बजे की है, जब कमला बाई मरकाम (50) और उनका 17 वर्षीय पुत्र गज्जू मरकाम नदी का रपटा पार कर रहे थे। तभी अचानक पानी का तेज बहाव उन्हें बहा ले गया।

ग्रामीणों ने काफी देर तक तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। घटना की सूचना मिलते ही बहेला थाना पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस और लांजी एसडीएम मौके पर पहुंचे। देर रात तक खोजबीन जारी रही, मगर तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिली।

वहीं, प्रशासन ने तुरंत एसडीईआरएफ की टीम को बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया। फिलहाल मां और बेटे का पता लगाने के लिए टीम लगातार तलाश कर रही है।

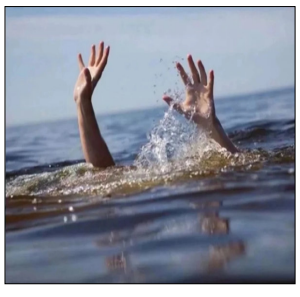

फेसबुक पर दोस्ती कर ट्रांसपोर्टर से लूटे 12 लाख, युवती ने विदेशों में भी बनाया लोगों को शिकार

भोपाल। 32 साल का राहुल ऑफिस से लौटने के बाद रात में फेसबुक पर दोस्तों से बातें कर रहा था। तभी दोस्ती का प्रस्ताव लेकर एक अनजान खूबसूरत चेहरा उसके सामने आया। राहुल ने बिना सोचे-समझे हामी भर दी। कुछ ही दिनों में मीठी-मीठी बातें प्यार में बदलने लगीं। इस बीच युवती ने राहुल के मन में जल्द अमीर बनने के सपने जगाए और उसे रईस बनने के रास्ते दिखाने लगी।

राहुल ने भरोसा कर निवेश शुरू कर दिया, लेकिन धीरे-धीरे उसकी हालत ऐसी हो गई कि घर बिकने तक की नौबत आ गई। पुलिस शिकायत में खुलासा हुआ कि शातिर युवती ने कई फर्जी फेसबुक आइडी बनाई थीं और राहुल जैसे कई शिकार उसके झांसे में फंस चुके थे।मूलत- मंडीदीप (रायसेन) निवासी 32 वर्षीय राहुल शर्मा इन दिनों भोपाल के करोंद क्षेत्र में रहकर ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं।

राहुल ने बताया कि अगस्त 2024 में उनकी फेसबुक आइडी पर रितिका शर्मा की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। रितिका ने खुद को बेंगलुरु निवासी और पेशे से फैशन डिजाइनर बताया। विश्वास जमाने के लिए वह अक्सर राहुल से वाट्सएप पर वीडियो काल भी करती थी।

इस बीच उसने राहुल को फारेक्स ट्रेडिंग के फायदे गिनाकर जल्दी अमीर बनने का सपना दिखाया। शुरू में राहुल ने आनाकानी की, लेकिन 'खास दोस्त' के आग्रह पर वह झांसे में आ गए और युवती के भेजे लिंक से एक एप डाउनलोड कर लिया।

20 के 25 हजार लौटाए, फिर 12 लाख ऐंठे

राहुल ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने 20 हजार रुपये निवेश किए। कुछ ही दिनों बाद उनके खाते में 25 हजार रुपये लौटाकर उनका भरोसा जीत लिया गया। इसके बाद रितिका ने उन्हें कंपनी के एक एजेंट से मिलवाया।

एजेंट ने दावा किया कि एप के जरिये कुछ ही समय में वह राहुल को अमीर बना देगा। शर्त यह थी कि हर ट्रांजेक्शन में दिखाए गए लाभ का तीन प्रतिशत कमीशन एजेंट को देना होगा। भरोसा कर राहुल ने बड़ी राशि निवेश कर दी।

एप पर फर्जी तरीके से लाभ दिखाया गया और राहुल लगातार तीन प्रतिशत कमीशन एजेंट के खाते में भेजते रहे। आखिरकार वह जाल में पूरी तरह फंस गए और करीब 12 लाख रुपये गंवा बैठे।

फेसबुक के कमेंट सेक्शन में मिले दूसरे शहरों के पीड़ितजमा पूंजी और दोस्तों से उधार लिए रुपये गंवाने के बाद राहुल ने भोपाल साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। उनका आरोप है कि पुलिस से तत्काल अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने पर उन्होंने खुद ही जांच शुरू कर दी।

खोजबीन में पता चला कि रितिका के नाम और तस्वीर से 30 से अधिक फर्जी फेसबुक आइडी बनाई गई थीं। इनमें से कई आइडी के कमेंट सेक्शन खंगालते हुए राहुल की मुलाकात वाराणसी निवासी छात्र शुभम सिंह से हुई, जिन्होंने रितिका पर आठ लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया।

वहीं, इंग्लैंड में रह रहे दीपक सिंह ने भी बताया कि उनके साथ 24 लाख रुपये की साइबर ठगी की गई है। फिलहाल, पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आरोपित का पता लगाया जा रहा है।

प्रदेश के सबसे धनी MLA संजय पाठक- संपत्ति 2,42,00,00,000 रुपये, प्राइवेट जेट के मालिक है

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में संजय पाठक एक चर्चित चेहरा हैं। कटनी जिले की विजयराघवगढ़ विधानसभा सीट से विधायक संजय पाठक को प्रदेश के सबसे अमीर विधायकों में गिना जाता है। उनकी पहचान न केवल एक प्रभावशाली नेता के रूप में है, बल्कि अपार संपत्ति और आलीशान जीवनशैली के कारण भी वे सुर्खियों में रहते हैं।

संपत्ति और आलीशान जीवन

साल 2023 विधानसभा चुनाव में दाखिल एफिडेविट के अनुसार, संजय पाठक की कुल संपत्ति 242.09 करोड़ रुपये है। वे प्राइवेट जेट के मालिक भी हैं, जो उन्हें अन्य विधायकों से अलग बनाता है। 2022-23 में उनकी आय 3.9 करोड़ रुपये रही, जबकि उनकी पत्नी निधि पाठक की आय 4.02 करोड़ रुपये दर्ज की गई। हालांकि, अपार संपत्ति के बावजूद उनके ऊपर करीब 19 करोड़ रुपये का कर्ज भी है। राजनीतिक सफर

विजयराघवगढ़ सीट से लगातार राजनीति कर रहे संजय पाठक का नाम क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखने वाले नेताओं में आता है। उनकी सक्रियता और संगठन पर पकड़ ने उन्हें पार्टी में पहचान दिलाई।

विवादों से घिरा नाम हाल ही में वे अवैध खनन से जुड़े मामले में चर्चा में आए। हाई कोर्ट के जज विशाल मिश्रा ने खुलासा किया कि पाठक ने उनसे फोन पर बातचीत करने की कोशिश की थी। इसके बाद जज ने खुद को मामले की सुनवाई से अलग कर लिया। इतना ही नहीं, पाठक के वकील अंशुमान सिंह ने भी केस से खुद को अलग कर लिया।

उन्होंने साफ किया है कि मैंने कोर्ट को लिखा है कि आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन और निर्मला मिनरल्स, जिन दो कंपनियों के केस की मैं पैरवी कर रहा था, उनके किसी रिलेटिव ने जस्टिस मिश्रा को कॉल किया। इस बात का जस्टिस मिश्रा ने एक सितंबर के आदेश में जिक्र किया। इसकी वजह से मैं ये केस छोड़ रहा हूं और मैंने इस बारे में अपने क्लाइंट को बता दिया है।

इंदौर प्रेस क्लब की गंभीर अनियमितताओं पर नोटिस जारी

सहा. पंजीयक फर्म्स-सोसायटी ने धारा 27-28 के उल्लंघन का दोषी माना

इंदौर। इंदौर प्रेस क्लब के त्रि-वार्षिक निर्वाचन के ऐन पहले सहायक पंजीयक फर्म्स एवं सोसायटी, इंदौर संभाग ने इंदौर प्रेस क्लब में गंभीर अनियमितताओं को रेखांकित करते हुए म.प्र. सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1973 की धारा 27 एवं धारा 28 के उल्लंघन का दोषी माना है।

वरिष्ठ पत्रकार विजय गुंजाल ने 27 अगस्त 2025 को सहायक पंजीयक फर्म्स एवं सोसायटी, इंदौर संभाग में वाद दायर कर इंदौर प्रेस क्लब प्रबंधकारिणी समिति की अनेकों अनियमितताओं के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही की मांग की थी। विभाग ने इस मामले में इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं महासचिव को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा था लेकिन निर्धारित 29 अगस्त 2025 को इंदौर प्रेस क्लब की तरफ से जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। सहायक पंजीयक फर्म्स एवं सोसायटी बीडी कुबेर ने इस मामले में आदेश जारी कर इंदौर प्रेस क्लब को धारा 27 एवं धारा 28 के उल्लंघन का दोषी माना है। अपने आदेश में उन्होंने कहा है कि इंदौर प्रेस क्लब में बीते वर्षों में नियमों का बार-बार उल्लंघन हुआ है। इस मामले में इंदौर प्रेस क्लब को उल्लंघन नोटिस भेजकर आगामी कार्यवाही की जायेगी।

शिकायतकर्ता श्री गुंजाल ने कार्यकारिणी का कार्यकाल बढ़ाने, कार्यकारिणी में मनचाहे निर्णय लेने, तीन वर्षों से ऑडिट नहीं कराने, बगैर नोटिस दिए सदस्यों को हटाने, नए सदस्य बनाने जैसे मुद्दों पर विभाग को स-प्रमाण शिकायत की थी।

इंदौर प्रेस क्लब के त्रिवार्षिक निर्वाचन अंतिम बार मार्च 2020 में सम्पन्न हुये थे और इस तरह से इंदौर प्रेस क्लब की प्रबंधकारिणी समिति का कार्यकाल मार्च 2023 में समाप्त हो गया था। इंदौर प्रेस क्लब की प्रबंधकारिणी समिति ने अवैधानिक तरीके से कार्यकाल को मार्च 2023 से सितंबर 2025 तक बढ़ाया है जिसको लेकर इंदौर प्रेस क्लब के विधान में कोई उल्लेखित नहीं है। यह विस्तार अवैधानिक है।

इंदौर प्रेस क्लब की प्रबंधकारिणी समिति ने 23 जून 2023 को वार्षिक साधारण सभा बुलाई और अवैधानिक तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया को स्थगित किया और यह स्थगित साधारण सभा लगभग ढाई वर्ष बाद पुनः आयोजित की गई। इस साधारण सभा में 17 अगस्त 2025 को त्रिवार्षिक निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा की गई।

इंदौर प्रेस क्लब की प्रबंधकारिणी समिति ने मनमाने तरीके से असमर्थ होने के बावजूद सदस्यों को निष्कासित करने के साथ-साथ निर्वाचन में मतदान के लिये अयोग्य भी घोषित कर दिया हैं, जो कि न केवल पद का दुरूपयोग है बल्कि अयोग्य प्रबंधकारिणी समिति इस तरह के संवैधानिक निर्णय लेने के लिए सक्षम भी नहीं है।

इंदौर प्रेस क्लब का अंतिम निर्वाचन 08 मार्च 2020 को सम्पन्न हुआ था इस तरह से प्रबंधकारिणी समिति का समयावधि 09 मार्च 2023 को समाप्त मानी जानी चाहिए, लेकिन प्रबंधकारिणी समिति ने अवैधानिक रूप से बगैर किसी ठहराव प्रस्ताव अथवा साधारण सभा के अपना कार्यकाल 25 जून 2023 तक बढाए रखा और 25 जून 2023 को साधारण सभा आहूत की गई। इस तरह से इंदौर प्रेस क्लब की प्रबंधकारिणी समिति माह जून 2023 को साधारण सभा बुलाने के लिये योग्य भी नहीं थी।

वर्तमान प्रबंधकारिणी समिति विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यवाही संचालित कर रही है जो अवैधानिक है। यह समिति इस तरह के निर्णय लेने के लिये सक्षम नहीं है। इंदौर प्रेस क्लब के विधान के मुताबिक इस प्रबंधकारिणी समिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, लेकिन निजी लाभ के लिये कदाचरण करते हुए वर्तमान प्रबंधकारिणी समिति ने अपना कार्यकाल बढ़ाया है।

वर्तमान प्रबंधकारिणी समिति जिनका कार्यकाल पूरा होने के बाद भी निर्णय लिये गये हैं, इस प्रबंधकारिणी समिति ने धारा 27 एवं 28 का भी परिपालन नहीं किया हैं। इस तरह से वर्तमान प्रबंधकारिणी समिति पूर्ण रूप से अवैध और गैर संवैधानिक है।

क्या कहता है विधान- प्रबंधकारिणी समिति का कार्यकाल निर्वाचन होने की तिथि से तीन वर्ष का रहेगा। यथेष्ठ कारण होने पर साधारण सभा की स्वीकृति से प्रबंधकारिणी समिति तीन वर्ष के कार्यकाल के पश्चात भी उस समय तक कार्यरत रह सकेगी, जब तक कि साधारण सभा अनुमति दे अथवा प्रबंधकारिणी समिति के नए निर्वाचन हों, ऐसी अवधि किसी भी स्थिति में छः माह से ज्यादा नहीं होगी।

श्रमणा सहकारी समितियों के गठन के लिये श्रमिकों से प्रस्ताव आमंत्रित

इंदौर। श्रम विभाग द्वारा श्रमणा श्रम सहकारी समितियों के गठन के लिये श्रमिकों से प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं। नयी पहल के तहत प्रदेश के कुशल श्रमिकों को नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए श्रमिक सहकारी समितियाँ बनाने का अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिससे सहयोग और आय के न्यायपूर्ण वितरण को सुनिश्चित किया जा सके और प्रशिक्षित प्रमाणित श्रमिकों को रोजगार एवं स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा सकें। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम विभाग की समीक्षा बैठक में श्रमणा श्रमिक सहकारी समिति की अवधारणा के लिये आधिकारिक लोगो जारी किया गया है, जिससे इस महत्त्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। कार्यक्रम के अंतर्गत, श्रम विभाग अपने विभिन्न मंडलों के माध्यम से ऐसे श्रमिक सहकारी समितियों के गठन और संचालन में आवश्यक सहायता देगा। श्रमणा सहकारी का उद्देश्य कुशल श्रमिकों को संस्थागत शक्ति प्रदान करना तथा लाभ के न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करना एवं डिजिटल उपकरणों और नवाचार से युक्त प्रबंधन पद्धतियों के माध्यम से साझा विकास को प्रोत्साहित करना है।

विभिन्न व्यवसायों, कारीगरों और सेवाओं से जुड़े कुशल श्रमिक, जो इस पहल के तहत सहकारी समितियाँ बनाना चाहते हैं, उनसे अपनी अभिरुचि व्यक्त करने के लिये सुझाव आमंत्रित हैं।

सोयाबीन की फसल पीली होने पर विशेष साँवधानियां बरते

इंदौर। इंदौर जिले में इन दिनों कुछ क्षेत्रों में सोयाबीन की फसल पीली होने की जानकारी प्राप्त हो रही है। जो सामान्यतः एन्थेक्रोज रोग, पीला मोजैक के कारण परिलक्षित हो रही है, जिसका नियंत्रण किया जाना संभव है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के उप संचालक ने किसानों को सलाह दी है कि यदि फसलों पर कहीं भी कीट व्याधि का प्रकोप दिखाई दे तो रोग प्रबंधन जरूरी है। अगर सोयाबीन की फसल में राईजोटोनिया एरिअल ब्लाईट रोग के लक्षण दिखाई देने पर अनुसंशित फफूंद नाशक फ्लुक्सापयोक्साड पायरोक्लोस्ट्रोबीन (300 ग्राम/हेक्टेयर) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन इपोक्रोसीकोनाजोल (750 एम.एल./हेक्टे) का स्प्रे करें। यदि फसल में एन्थ्राक्रोस रोग के लक्षण दिखाई देने पर प्रारम्भिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण के लिए टेबुकोनाजोल 25.9 ई सी (625 एम.एल./ हेक्टे) टेबुकोनाजोल 38.39 एस सी (625 एम.एल./हेक्टे) टेबुकोनाजोल 10 प्रतिशत तथा सल्फर 65 प्रतिशत डबल्यू जी (1.25 कि.ग्रा./हेक्टे) या कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत मेन्कोजेब 63 प्रतिशत डबल्यू पी (1.25 कि.ग्रा./हेक्टे) या का स्प्रे करें। सोयाबीन फसल में पीला मोजेक या सोयाबीन मोजेक के लक्षण दिखने पर इस रोग को फैलाने वाले वाहक सफेद मक्खी है। इसके नियंत्रण के लिए थायोमिथोक्सम 12.60 प्रतिशत तथा लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50 प्रतिशत जेड.सी. (125 मिली./हे.) या बीटासायफ्लुझिन और इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली./हे.) का छिड़काव करें। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए किसान भाई अपने खेत में 20 से 25 स्थानों पर पीली ट्रेप भी लगाए। फसल में कीट प्रबंधन के लिए सलाह- किसान कल्याण तथा कृषि विकास के उप संचालक के अनुसार पत्ती खाने वाली इल्लियों (सेमीलूपर /तम्बाकू/चने की इल्ली) तथा रस चूसने वाले कीट जैसे सफ़ेद मक्खी/जसीड एवं तना छेदक कीट गर्डल इन कीटों के लक्षण दिखाई देने पर प्रारंभिक अवस्था में ही इसके नियंत्रण के लिए थायक्लोप्रिड 21.7 एस.सी. (750 मिली/हेक्टेयर) या टेट्रानिलिप्रोल 18.18 एस.सी. (250-300 मिली/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 9.30 प्रतिशत तथा लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50 प्रतिशत जेड.सी. (125 मिली/हेक्टेयर) या प्रोफेनोफॉस 50 ई.सी (1 ली./ हेक्टेयर) या इमामेक्टीन बेन्जोएट (425 मिली /हेक्टेयर) का छिडकाव पर्याप्त पानी की मात्रा (नेप्सेक स्प्रयेर या ट्रेक्टर चलित स्प्रेयर से 450 लीटर / हे पॉवर स्प्रेयर से 200 लीटर /हेक्टेयर न्यूनतम) का उपयोग करें।

सुपरफुड ब्लूबेरी बनेगी अब धार की पहचान

इंदौर। खेती को लाभ का धंधा बनाने और उन्नत खेती को दृष्टिगत उद्यान विभाग द्वारा इंदौर संभाग के धार जिले में कलस्टर तैयार कर सुपरफुड ब्लूबेरी की खेती को बढावा देने की योजना तैयार की गई है। जिसके परिपेक्ष्य में उद्यानिकी विभाग के उप संचालक श्री नीरज साँवलिया, वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री महेश वास्केल, ए.जी.एम. नेवा प्लांटेशन एल. एल. पी. हिमाचल प्रदेश डॉ. ललित पाटीदार, नेटाफेम कम्पनी के श्री चन्द्रभुषण, ई.क्यू. मार्केटिंग इनकॉरपोरेट के श्री भरत भूषण आदि के द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन बदनावर विकासखंड के ग्राम रुपाखेडा में आयोजित या गया। जिसमें धार, मनावर व बदनावर विकासखंड के कृषक सम्मिलित हुए।

उप संचालक उद्यान श्री नीरज साँवलिया द्वारा बताया गया कि आने वाले समय में ब्लूबेरी की खेती एक क्रांति लाएगी, जिससे कृषकों की आय में वृद्धि होगी। ब्लूबेरी की फसल से एक एकड में किसान तीन साल बाद लगभग चालीस से पचास लाख तक आमदनी कमा सकता है। जो भी किसान इसकी खेती करना चाहता हो वह उद्यानिकी विभाग में आकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ए.जी.एम. नेवा प्लांटेशन एल.एल.पी. हिमाचल प्रदेश डॉ. ललित पाटीदार द्वारा बताया गया कि अभी तक ब्लूबेरी भारत में अमेरिका से आयात किया जाता था। ब्लूबेरी फल बहुत मंहगा है जो एक हजार रुपये किलो या उससे अधिक दामों पर बिकता है। ब्लूबेरी

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त की गई। चार दो पहिया वाहन भी जप्त किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी द्वारा दिये गए निर्देशानुसार 09 सितम्बर एवं 10 सितम्बर को आबकारी विभाग की विभिन्न टीमों द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। कार्यवाहियों में 4 दोपहिया वाहनों पर परिवहन कर ले जाई जा रही देशी एवं विदेशी मदिरा एवं अन्य स्थानों से भी देशी एवं विदेशी मदिरा बरामद की गई। बरामद की गई मदिरा की मात्रा 9 बल्क लीटर विदेशी मदिरा स्प्रिट, 21 बल्क लीटर विदेशी मदिरा बियर, 45 बल्क लीटर देशी मदिरा एवं 12 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 4 दोपहिया वाहन जप्त किए गए। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जप्त मदिरा व वाहनों कुल बाज़ार मूल्य लगभग 3 लाख 12 हजार रुपये से अधिक है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सुदाम खाड़े ने इंदौर संभागायुक्त का पदभार ग्रहण किया

इंदौर। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2006 बैच के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. सुदाम खाड़े ने आज इंदौर संभागायुक्त का पदभार ग्रहण किया। इसके पूर्व वे आयुक्त जनसंपर्क और मध्यप्रदेश माध्यम के एमडी के पद पर पदस्थ थे।

डॉ. खाड़े प्रदेश में ग्वालियर के संभागायुक्त सहित भोपाल, सीहोर, टीकमगढ़ और हरदा जिले के कलेक्टर रह चुके हैं। उन्होंने माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के कुलगुरु के रूप में भी कार्य किया है।

कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और आगामी कार्यक्रमों तथा अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की प्राथमिकता ही मेरी प्राथमिकता है। राज्य शासन के सभी प्राथमिकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा। साथ ही उन्होंने 17 सितंबर को प्रस्तावित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आगमन की तैयारी की भी जानकारी ली।

पूजन सामग्री उत्पादन इकाईयों की स्थापना के लिए दिया जाएगा बिना गारंटी का लोन एवं ब्याज अनुदान

इंदौर। इंदौर जिले में पूजन सामग्री उत्पादन इकाईयों की स्थापना के लिए बिना गारंटी का लोन एवं ब्याज अनुदान दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार प्रदेश में धार्मिक दृष्टि से विकसित किए जा रहे लोक में पूजन सामग्री का उत्पादन बढ़ाया जाएगा। इन लोकों में कुमकुम, रोली, अष्टांध, सिंदूर, चंदन पाउडर, हल्दी, गुलाल, रंगोली, कपूर, गंगाजल, चावल, पंचमेव, अगरबत्ती, धूपबत्ती , हवन सामग्री, बाती इत्यादि का बड़े पैमाने पर उपयोग होता हैं। स्वरोजगार को बढावा देने के लिए मुख्यमंत्री उद्यम कांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के तहत पूजन सामग्री उत्पादन इकाइयों को बिना गारंटी ऋण और उक्त ब्याज अनुदान दिया जाएगा।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नवीन स्नान घाटों का निर्माण होने पर उनका नामकरण किया जाए

सिंहस्थ में सम्पूर्ण व्यवस्था चाक चौबंद हो यह सुनिश्चित किया जाए

उज्जैन । नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में सिंहस्थ के कार्यों की विस्तार से विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में एसीएस श्री दुबे ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत नवीन स्नान घाटों का निर्माण होने पर उनका नामकरण किया जाए। साथ ही निर्देश दिए गए कि नवीन घाटों के निर्माण के दौरान साईकल ट्रेक का निर्माण भी समानान्तर रुप से किया जाए। घाटों के समानान?तर सामाजिक संगठनों के माध्यम से वृहद स्तर पर छायादार पौधों का रोपण कराया जाए। नवीन घाटों पर रेड सेंड स्टोन लगाने की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

सिंहस्थ 2028 में संपूर्ण व्यवस्था बेहतर हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि

अधिकारी अपने अपने विभाग की कार्ययोजना इस प्रकार बनाए जिससे श्रद्धालुओं को सिंहस्थ के दौरान सुगमता से स्नान,पर्व स्नान तथा आवागमन सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने पुलिस विभाग के द्वारा कराए जाने वाले कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि सिंहस्थ में भीड नियंत्रण ,यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र के साथ साथ अन्य शहरों से सिंहस्थ ड्युटी के लिए जाने वाले पुलिस बल को ठहराने की व्यवस्था योजनाबद्ध तर?ीके से की जाए। साथ ही श्री महाकालेश्वर मंदिर में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुलभ दर्शन कराने की व्यवस्था एवं भीड़ प्रबंधन के लिए बेरिकेडिंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं के स्नान के दौरान वस्त्र बदलने के लिए अस्थाई चेंजिंग रुम बनवाए जाए। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने निर्देश दिए की सिंहस्थ के दौरान बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय श्रद्धालुओं की दर्शन और स्नान व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

जहां पर रेल्वे ट्रेक का निर्माण कार्य होना है वहां रेल्वे अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर डिजाईन एरुव करवाने के निर्देश दिए। बैठक में जिन विभागों के द्वारा कराए जाने वाले निर्माण कार्यों में भूमि अधिग्रहण होना शेष है वहां अधिग्रहण की कार्यवाही तय सीमा में कराई जाए और अन्य तकनीकी समस्याओं के निदान के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जाए। बैठक में सिंहस्थ के अंतर्गत विभिन्न विभागों के द्वारा कराए जाने वाले प्रस्तावित व स्वीकृत कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई।

दलित नेता को सिर तन से जुदा जैसी गंभीर धमकियाँ

उज्जैन। समाजसेवी एवं दलित नेता अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार को मिल रही जान से मारने की धमकियों के मामले में पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अखिल भारतीय बलाई महासंघ उज्जैन शहर अध्यक्ष रिंकी राजेश मालवीया के नेतृत्व मे अखिल भारतीय बलाई महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

समाजसेवी, दलितों के प्रखर नेता एवं अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार, जो कि हिंदूवादी विचारधारा रखते हैं, तथा लव जिहाद लैंड जिहाद जैसे गंभीर विषयों के विरुद्ध जन जागरण का कार्य करते हैं । ऐसे

सनातनी दलित हिन्दू नेता को पिछले कुछ समय से जिहादी मानसिकता रखने वाले संगठनों एवं मुस्लिम असामाजिक तत्वों द्वारा लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन कॉल्स (जिसमें सऊदी अरब एवं फिलीपींस के फोन कॉल शामिल है) एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जान से मारने की धमकियाँ दी जा रही हैं।

11 अगस्त को शाजापुर जिले के ग्राम पनवाड़ी में आयोजित समरसता बौद्धिक समारोह में श्री परमार द्वारा दिए गए भाषण के कुछ अंशों को तोड़-मरोड़कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (थे मुस्लिम इ में द किंग, द मुस्लिम, मुस्लिम वर्ल्ड लाइव एवं हैदरी दल आदि) पर प्रसारित किया गया। इस कारण अनेक मुस्लिम कट्टरपंथी तत्वों ने उन्हें सिर तन से जुदा जैसी गंभीर धमकियाँ लगातार दी जा रही हैं।

श्री परमार समाज में दलित अत्याचार, लव जिहाद आदि सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसी कारण मुस्लिम असामाजिक तत्व उनके विरुद्ध षड्यंत्र कर रहे हैं, तथा उनकी जान को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

'जीवन के रंग गीतों के संग' संगीत संध्या आज

उज्जैन। भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थानीय शाखाओं के कर्मचारियों, अधिकारियों और विकासवाहिनी की संस्था 'जीवन संगीत' द्वारा आज 13 सितम्बर, शनिवार सायं 7 बजे कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह में हिन्दी फिल्मों के गीतों की संगीत संध्या जीवन के रंग गीतों के संग का आयोजन किया जा रहा है।

संस्था जीवन संगीत के अध्यक्ष अनिल कुरेल ने बताया कि संगीत संध्या के अतिथि शाखा प्रबन्धक भरतपुरी शाखा राजेश शर्मा, दशहरा मैदान शाखा के परसराम मिश्रा एवं प्रसिद्द फिल्म समीक्षक शशांक दुबे होंगे। संगीत संध्या में कलाकार योगेश यादव, प्रशांत सोहले, विनय गुप्ता, विश्वनाथ शिंदे, विजय जोशी, रवि चौबे, सुरेन्द्र मालवीय, भालचंद्र कुलकर्णी, सुरेंद्र शर्मा, प्रकाश बांगर, विनोद मातवनकर,

मोगली बाल उत्सव में हुई लिखित परीक्षा

उज्जैन। सांदीपनि विद्यालय बड़नगर में विकासखंड स्तरीय मोगली बाल उत्सव का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत लिखित परीक्षा ली गई। इस लिखित परीक्षा में प्रत्येक वर्ग में तीन बालक और तीन बालिकाओं का चयनित कर पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सुनील अग्रवाल पूर्व प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय बड़नगर, कार्यक्रम के अध्यक्ष कृष्णदास बैरागी प्राचार्य सांदीपनि विद्यालय बड़नगर एवं विशेष अतिथि गोपाल सोनकुसरे प्राचार्य हाई स्कूल अमला ने शिक्षा के साथ-साथ खेल कूद एवं सांस्कृतिक गति विधि का महत्व बताया। इस अवसर पर संगीता पाल, आदित्य शर्मा, आशुतोष आचार्य, नीलिमा स्वर्णकार उपस्थित थे। संचालन अर्चना शर्मा द्वारा किया गया। मोगली उत्सव के प्रभारी राधे श्याम परमार ने कार्यक्रम की जानकारी प्रस्तुत की। चयनित बच्चों में वरिष्ठ वर्ग बालक में प्रथम गौरव जितेंद्र चौहान कक्षा 9 सांदीपनि विद्यालय बड़नगर, द्वितीय राजनाथ सांवरिया नाथ योगी कक्षा 9 हाई स्कूल अमला बड़नगर, तृतीय नीरज शाउमावि जलोदिया रहे। वरिष्ठ वर्ग बालिका में प्रथम तनु घनश्याम माली कक्षा 11वीं कउमावि बड़नगर, द्वितीय अशरिका आरिफ खान कक्षा 11वीं कउमावि बड़नगर, तृतीय कृति दिलीप कक्षा 11वीं उमावि जहांगीरपुर रहीं। कनिष्ठ वर्ग बालक में प्रथम स्थान हर्ष राकेश पवार कक्षा 6टी शामावि मालपुरा, द्वितीय रामकृष्ण पार सिंह कक्षा 8वीं सांदीपनि विद्यालय बड़नगर, तृतीय स्थान मोहम्मद हुसैन बाबू शाह कक्षा 8वीं शामावि मालपुरा, कनिष्ठ वर्ग बालिका में प्रथम वीरा पवन डाबी कक्षा 8वीं शामावि बिसाहेडा, द्वितीय रेणुका जितेन्द्र डोडिया कक्षा 5वीं सांदीपनि विद्यालय बड़नगर, तृतीय स्थान माही लाखन सिंह हाडा कक्षा 8वीं सांदीपनि विद्यालय बड़नगर ने प्राप्त किया।

प्रमुख भाषाओं के साथ लोक एवं जनजातीय भाषाओं को भी देवनागरी के माध्यम से लिखित रूप में लाया जाए- डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा

प्रो जगदीश चंद्र शर्मा आचार्य विनोबा भावे नागरी लिपि सेवा सम्मान से अलंकृत

उज्जैन। लिपि भाषा की वाहिका है और भाषा की संगत में ही लिपि का सम्यक विकास हो सकता है। देवनागरी का लिपि व्यवस्था को परिष्कृत, संवर्धित करने में अहम योगदान है। देश - विदेश की अधिकतर भाषाएं देवनागरी लिपि के माध्यम से सुगमता से लिखी जा सकती हैं। आज कुछ क्षेत्रों में देवनागरी लिपि के रोमन लिपि के प्रयोग से द्विलिपि व्यवस्था हमारे लिए बड़ी चुनौती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहु प्रचलित भाषाओं के साथ लोक एवं जनजातीय भाषाओं को भी देवनागरी के माध्यम से लिखित रूप में लाया जाए।

ये विचार राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना, नागरी लिपि परिषद नई दिल्ली, इकाई मध्यप्रदेश एवं हिंदी परिवार इंदौर, इकाई उज्जैन द्वारा नागरी लिपि परिषद के स्वर्ण जयन्ती

वर्ष के अवसर पर प्रेस क्लब में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलानुशासक डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किये।

नागरी लिपि परिषद के संस्थापक आचार्य विनोबा भावे के जन्मदिवस नागरी दिवस पर आयोजित इस संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय साहित्य परिषद मालवा प्रान्त के अध्यक्ष श्री त्रिपुरारीलाल शर्मा, इंदौर ने कहा कि विनोबा जी का भूदान आन्दोलन के साथ, नागरी लिपि परिषद की स्थापना कर देवनागरी लिपि को विश्वलिपि का सम्मान दिलाना बहुत बड़ा योगदान था। सारस्वत अतिथि राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना की राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. रश्मि चौबे, गाजियाबाद उप्र ने कहा कि देवनागरी लिपि एक वैज्ञानिक लिपि है जिसे जैसा बोलते हैं वैसा ही लिखते हैं और जैसा लिखते हैं वैसा ही बोला जाता है। देवनागरी लिपि की स्वीकार्यता बढ़ रही है। संगोष्ठी को कनाडा से पधारे साहित्यकार गोपाल बघेल ने भी संबोधित किया और अपनी गीति रचनाएं प्रस्तुत कीं।

विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए साहित्यकार डॉ. हरीशकुमार सिंह ने कहा कि हिन्दी सिर्फ राजकाज की भाषा, राजभाषा बन कर रह गई है और अब समय आ गया है कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा भी मिले। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए शिक्षाविद राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना के सरंक्षक ब्रजकिशोर शर्मा ने कहा कि तपस्वी - मनीषी विनोबाजी ने देवनागरी और हिन्दी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और हिन्दी में विनोबा जी के कार्य अद्वितीय रहे।

अग्रवाल भवन में आज होगा रानी सती दादी का मंगल पाठ

उज्जैन। अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 के नो दिवसीय कार्यक्रमों का शुभारंभ आज महाराजा श्री अग्रसेन जी के पूजन के साथ होगा। साथ ही उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा रानी सती दादी का मंगल पाठ कराया जाएगा।

संस्था अध्यक्ष शैलेंद्र मित्तल एवं कार्यक्रम संयोजक सरोज अग्रवाल ने बताया कि प्रातः 11 बजे अग्रवाल धर्मशाला, गोलामंडी में अग्रसेनजी महाराज का पूजन होगा। तत्पश्चात उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा आज 13 सितम्बर शनिवार दोपहर 2 बजे से अग्रवाल भवन, अलकनंदा नगर में मंगलपाठ किया जाएगा। जिसमें सती दादी के मंगल पाठ करने कविता अग्रवाल महू की मंडली आएगी। मंगल पाठ के पश्चात उपस्थित समाजजनों का प्रसादी भोज होगा। अध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल, सचिव सुनील अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अभय अग्रवाल, सांस्कृतिक सचिव पंकज अग्रवाल, अजीत कविता मंगलम, संयोजक सरोज अग्रवाल, वन्दना अग्रवाल, अनिता गोयल लता अग्रवाल, ललिता मित्तल, शालिनी अग्रवाल ने समस्त समाजजनों से अग्रसेन महाराज के पूजन एवं मंगलपाठ में शामिल होकर धर्मलाभ लेने का अनुरोध किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com